Title: Need to check the Maoists and Naxalite activities along the Indo-Nepal Border in Bihar and Uttar Pradesh.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : अध्यक्ष महोद्य, भारत-नेपाल सीमा पर उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल के बहुत बड़े हिस्से में माओवादी, उग्रवादी नक्सलवादियों का आतंकवाद छाया हुआ है और पूरे नेपाल के द्वारा भारत के हिस्से में प्रवेश करके, तरह-तरह के क्राइम करके, यहां तक कि पुलिस के थानों पर राइफल लूटकर 500 रुपये के जाली नोटों का प्रवेश इस प्रदेश में किया जा रहा है और हजार रुपये का नोट चलाया जा रहा है। राइफल, आधुनिकतम्स हथियार की त्स्करी की जा रही है, द्वाओं की त्स्करी हो रही है और इसको रोकने के लिए एस.एस.पी. पुलिस इन पर कंट्रोल करने के लिए लगाई गई है। जहां एक ओर उत्तर बिहार, पश्चिमी व पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा किशनगंज और पूर्णिया नक्सलवाद की पूरी चपेट में है, वहीं दक्षिण बिहार का बहुत बड़ा हिस्सा भी इसकी चपेट में आ गया है।

इसको रोकने के लिए वहाँ जो पुलिस बल तैनात किया गया है, उसके लिए सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि नेपाल की ओर से सैकड़ों छोटी-बड़ी नदियाँ इस क्षेत्र में निकलती हैं। इस क्षेत्र में एक भी बार्डर रोड नहीं होने के कारण वर्ा के लगभग 6 महीने यह पूरा क्षेत्र इस योग्य नहीं होता कि सीमा पार से होने वाली त्स्करी और उग्रवादियों के आगमन की सम्स्याओं पर नियन्त्रण लगाया जा सके। हम लोग बार-बार भारत सरकार से यह आग्रह करते आ रहे हैं कि उत्तर प्रदेश, उत्तरी बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल तक, नेपाल से लगने वाली हमारी पूरी सीमा पर एक बॉर्डर रोड बनाई जाए ताकि हमारी सीमा की रक्षा करने वाले और त्स्करी आदि अवैध कार्यों को रोकने वाले हमारे पुलिस बलों को वर्ा भर अपना काम करने में सहूलियत हो सके, उन्हें सुविधा मिल सके। मैं भारत सरकार से और विशेाकर माननीय गृहमंत्री जी से मांग करता हूँ कि इस क्षेत्र में एक बार्डर रोड बनवाने का काम शीघ्र शुरू किया जाए। यहाँ रक्षामंत्री जी भी बैठे हुए हैं, इस प्रकार की बॉर्डर रोड उनके प्रयोजन के लिए भी जरूरी है। नेपाल की सरकार की ओर से भी जो घटनाएं हो रही हैं और नेपाल में जिस तरह की उग्रवादी घटनाएं हो रही हैं, उन पर नियन्त्रण करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि वर्ा भर चालू रहने वाली एक बॉर्डर रोड का निर्माण किया जाए। आज वहाँ ऐसी कोई रोड न होने के कारण सुरक्षा बलों के लिए नेपाल से लगने वाली हमारी सीमा के पश्चिम से पूर्वी हिस्से तक साल भर पहुंचा पाना संभव नहीं होता है। वर्ा के 6 महीने तक आपकी कोई पुलिस फोर्स वहाँ कारगर ढंग से काम नहीं कर पाती है। इसके कारण व्यापक पैमाने पर त्स्करी हो रही है और जाली नोट लाए जा रहे हैं जिससे हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। इसलिए हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि इस क्षेत्र में एक बॉर्डर रोड बनवाई जाए।

MR. SPEAKER: Shri Acharia, I am sorry for the mistake. You were right.